भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2818
10 मार्च, 2026 को उत्तर के लिए

पीएम गति शक्ति के अंतर्गत परियोजनाएं

2818. **श्री शशांक मणिः**
श्रीमती कमलेश जांगड़ेः
श्री मनीष जायसवालः
श्री आलोक शर्माः
श्री बिद्‌युत बरन महतोः
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः
डॉ. मन्ना लाल रावतः
श्री दिनेशभाई मकवाणाः
श्रीमती हिमाद्री सिंहः
श्री प्रवीण पटेलः
श्री चन्द्र प्रकाश चौधरीः
श्री बंटी विवेक साहूः
श्री बिभु प्रसाद तराईः
श्री नव चरण माझीः
श्री अरुण गोविलः
श्री गोडम नागेशः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पीएम गति शक्ति के अंतर्गत जनवरी, 2026 तक अवसंरचना परियोजनाओं से इस्पात की कितनी मांग उत्पन्न होने का अनुमान है।
(ख) क्या इन परियोजनाओं के लिए इस्पात की आपूर्ति में लघु और मध्यम घरेलू इस्पात उत्पादकों की भागीदारी के संबंध में कोई आकलन किया गया है।
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी निष्कर्ष क्या हैं,
(घ) वर्ष 2024-2025 के दौरान घरेलू और वैश्विक इस्पात की कीमतों में उतार-चढ़ाव का प्रधानमंत्री गति शक्ति के अंतर्गत परियोजना लागत और आपूर्ति समय-सीमा पर क्या प्रभाव पड़ा है; और
(ङ) क्या सरकार ने आपूर्ति स्थिरता और मूल्य पूर्वानुमान सुनिश्चित करने के लिए पीएम गति शक्ति के अंतर्गत दीर्घकालिक अवसंरचना योजना को घरेलू इस्पात उत्पादन क्षमता के साथ संरेखित करने के लिए कदम उठाए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) से (ङ): वर्ष 2013-14 में भारत की क्रूड स्टील क्षमता 102.26 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 200.33 एमटीपीए हो गई है, जो कि 95.90% की वृद्धि है। सार्वजनिक और

जारी............2/-

निजी दोनों क्षेत्रों में निर्माण और आवास, ऑटोमोबाइल और अवसंरचना क्षेत्रों आदि में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए क्रूड स्टील का उत्पादन भी 2013-14 में 81.69 एमटीपीए से बढ़कर 2024-25 में 152.18 एमटीपीए (अर्थात् 86.28% की वृद्धि) हो गया है। यह मजबूत मांग भारत के विकसित भारत लक्ष्य में इस्पात की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है।

इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है जहाँ कीमतें मांग और आपूर्ति, वैश्विक बाजार की स्थितियों, कच्चे माल की कीमतों, लॉजिस्टिक्स और विद्युत एवं ईंधन की लागत से निर्धारित होती हैं। लघु और मध्यम घरेलू इस्पात उत्पादकों सहित इस्पात कंपनियाँ, इन अवसंरचना परियोजनाओं को इस्पात की आपूर्ति करती हैं बाजार के प्रौद्यो-आर्थिक कारकों के आधार पर करती हैं।

*****